क्यू.आर.कोड कराये पौधों एवं वृक्षों की पहचान

अभिषेक कुमार (स.अ.)
उ. प्रा. विद्यालय,
जखौली, सिद्धार्थनगर

उद्देश्य– विद्यार्थियों के साथ–साथ संबन्धित अभिभावकों, ग्रामीणों एवं आसपास के सभी समुदायों आदि को अधिक से अधिक पौधरोपण करें, पहले से लगे हुए पौधों और वृक्षों आदि की रक्षा करें तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक (जैसे पेड़–पौधों के वैज्ञानिक नाम, विभिन्न प्रकार की औषधीय गुणों के बारे में जानकारी) कराने हेतु विद्यालय के शिक्षक द्वारा एक नवीन प्रयास किया गया। विद्यार्थियों को सूचना और प्रौधौगिकी के माध्यम से पौधों या वृक्षों की जानकारी देने हेतु बहुत कम निवेश करते हुए अपने विद्यालय के प्रांगण एवं गाँव में संबंधित पौधों या वृक्षों पर क्यू.आर कोड चिपकाया गया, जिससे लोगों को इस क्यू.आर कोड को स्कैन करके सम्बंधित पौधों और वृक्षों के बारे में जरूरी जानकारी प्राप्त हो सके और उन्हें जागरूक करते हुए वृक्षों या पौधों की रक्षा की जा सके।

क्रियान्वयन– सबसे पहले शिक्षक द्वारा अपने विद्यालय में लगे पौधों और वृक्षों के साथ–साथ गाँव में विद्यालय के आसपास लगे सभी पौधों और वृक्षों को

चिन्हित किया गया, फिर विद्यार्थियों द्वारा प्रमाणिक किताबों, पत्रिकाओं, जर्नल्स, इन्टरनेट आदि माध्यम से सभी चिन्हित पौधों और वृक्षों के बारे में विस्तृत जानकारियाँ (जैसे पेड़–पौधों के वैज्ञानिक नाम, विभिन्न प्रकार की औषधीय गुणों के बारे में जानकारी) एकत्रित की गई। जानकारी की प्रमाणिकता की जाँच विषय विशेषज्ञों द्वारा करके आलेख तैयार कर लिखा गया। क्यू.आर. कोड को बनाने के लिए सबसे पहले विद्यार्थियों ने अपने–अपने मोबाइल के एप्लीकेशन 'प्ले–स्टोर' द्वारा क्यू.आर. कोड जेनरेट कर डाउनलोड किया। तत्पश्चात् इससे संबंधित सूचनाओं के माध्यम से पेड़ो एवं पौधों के बारे में 300 शब्दों (क्योंकि सम्बन्धित एप्लीकेशन या एप निःशुल्क रूप से केवल 300 शब्दों को ही लिखने की जगह देता है) तक उपयोगी जानकारियों को किताबों, पत्रिकाओं या इंटरनेट आदि द्वारा खोजकर लिखा गया। विभिन्न रंगों एवं डिजाइन के क्यू.आर. कोड को जनरेट किया गया। उसके बाद इस क्यू.आर. कोड को अपने विद्यालय के प्रांगण एवं गाँव के आसपास के पेड़ो में अच्छी तरह से चिपकाया गया, जिससे लोग इस क्यू.आर कोड को स्कैन करके संबंधित वृक्षों की विभिन्न उपयोगी जानकारियों को प्राप्त कर सकें। देख–रेख करते हुए वृक्षों की रक्षा करें, अपने आसपास खाली जगहों पर अधिकाधिक पौधरोपण करें। जिससे हमारा पर्यावरण शुद्ध और स्वच्छ बना रहे।

आंकड़े एवं विश्लेषण– कार्य के प्रथम चरण में विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा अपने शिक्षक के मार्गदर्शन में विद्यालय प्रांगण के 15 पौधों एवं वृक्षों तथा गांव में 36 पौधों एवं वृक्षों अर्थात् कुल 51 पौधों और वृक्षों पर इनसे सम्बन्धित जानकारियों के

लिए क्यू.आर. कोड चिपकाया गया, जिससे विद्यालय के दूसरे छात्र– छात्राओं के साथ–साथ गांव वाले भी इन पौधों और वृक्षों पर चिपके हुए क्यू.आर. कोड को स्कैन करके संबंधित पौधों और वृक्षों के बारे में जानकारी लगातार ले रहे हैं और दूसरों को भी पौधों और वृक्षों के बारे में बता रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार, पौधों और वृक्षों को बचाने के लिए एवं नये पौधरोपण के तहत, अभी तक विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा कुल 51 पौधों और वृक्षों पर क्यू.आर. कोड चिपकाकर पौधों और वृक्षों के बारे में जानकारियां दी जा रही है, इन 51 पौधों और वृक्षों में 19 पौधे एवं वृक्ष ऐसे थे जो अन्य वृक्षों की तुलना में अधिक कमजोर थे और नष्ट होने की कगार पर थे, इन पौधों और वृक्षों पर विशेष ध्यान देते हुए इन पर क्यू.आर. कोड चिपकाकर इन्हें ईटों आदि माध्यम से घेरकर बचाया जा रहा है और इसके साथ–साथ छात्र–छात्राओं एवं गांव वालों के सहयोग से गांव के सामुदायिक स्थानों पर भी 58 नये पौधारोपण करके क्यू. आर. कोड चिपकाये गये हैं।

प्रभाव– क्यू.आर. कोड द्वारा स्कैन करके पौधों एवं पेड़ों के बारे में उपयोगी जानकारी प्राप्त करने के लिए हमारे विद्यालय के विद्यार्थियों और समुदाय के लोगों में बहुत उत्सुकता दिखी। आने–जाने वाले लगभग सभी लोग क्यू.आर. कोड को स्कैन करके संबंधित पेड़ों की नयी–नयी जानकारियां प्राप्त कर रहे हैं, जिससे उन सभी का पेड़ों एवं पौधों के प्रति लगाव बढ़ रहा है। इस गतिविधि के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ–साथ विद्यार्थियों में डिजिटल साधनों के प्रयोग के प्रति भी रूचि उत्पन्न हुई।